समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. परामर्श प्रथम वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2026–2027

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001	:	समाज कार्य का उद्गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–002	:	व्यावसायिक समाज कार्य : भारत परिप्रेक्ष्य
एम.एस.डब्ल्यू–005	:	समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण
एम.एस.डब्ल्यू–008	:	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009	:	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई,2026 सत्र – 31 मार्च,2027

जनवरी,2027 सत्र – 30 सितम्बर,2027

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य (परामर्श) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (प्रथम वर्ष) में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।समाज कार्य (परामर्श) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के समाज कार्य (परामर्श)कार्यक्रम का अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए30% भारित देते हैं।**सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–009
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) उपयुक्त उदाहरणों के साथ समाज कल्याण प्रशासन के दायरे को समझाइए। 20

अथवा

ग्रामीण समुदाय की अवधारणा पर चर्चा करें। भारत में ग्रामीण सामाजिक संरचना की मुख्य विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 20

2) सामाजिक क्रिया के विभिन्न प्रतिरूपों और उनकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

किसी भी दो PRA विधियों पर चर्चा करें और ग्रामीण भारत के संदर्भ में उनके अनुप्रयोग को स्पष्ट करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) सामुदायिक संगठन के चरणों पर प्रकाश डालें। 10

ख) विभिन्न प्रकार की वकालत का वर्णन कीजिए। 10

ग) जनजातीय क्षेत्रों में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों की व्याख्या कीजिए। 10

घ) वैश्वीकरण और सामुदायिक व्यवहार पर इसके प्रभाव को परिभाषित करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) सामुदायिक विकास में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

ख) सामुदायिक संगठन अभ्यास में वर्तमान मुद्दों का उल्लेख करें। 5

ग) भारत में झुग्गी बस्ती समुदाय की विशेषताओं पर चर्चा करें। 5

घ) सामाजिक कार्रवाई के लिए आवश्यक प्रमुख कौशल क्या हैं? 5

ङ) ग्रामीण ऋण बाजारों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

च) सामुदायिक संगठन से जुड़े अंतर्निहित मूल्यों की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) संचार कौशल 4

ख) शहरी–ग्रामीण संबंध 4

ग) सामाजिक लेखा परीक्षा 4

घ) लोगों की भागीदारी 4

ङ) एक सामाजिक प्रणाली के रूप में समुदाय 4

च) शहरीकरण 4

छ) सीमांत अर्थव्यवस्था 4

ज) शहरी गरीबी 4